

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—बाण 3—उप-बाण (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 252] नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 10, 1979/आषाढ 19, 1901  
No. 252] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 10, 1979/SRAVANA 19, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

भारतीय प्राविष्टि संघर्षकाण

(संस्कृत विभाग)–

अधिकारी

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1979

सा. का. नि. 477(अ).—प्राविष्टि तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 (1972  
का 52) की धारा 2 की उपधारा (1) के खण्ड (स) द्वारा प्रदत्त शरीकताओं का पर्याग  
करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित मानवीय कलाकृतियों को जो, प्राविष्टि नहीं

इ<sup>ए</sup>, उनके कलात्मक और सौंदर्यपरक मूर्त्य की ध्यान में रखते हुए, उक्त अधिनियम के प्रयोगनार्थ बहुमूल्य कलाकृतियाँ घोषित करती हैं, अर्थात्,—

1. रवि वर्मा ;
2. गगनेन्द्र नाथ ठाकुर ,
3. अबनीन्द्र नाथ ठाकुर ,
4. सौहेज मुखजी ,
5. एन. रोड़िच .

के क्षारा अंगिकृत विषय (जिनमें विश्व, रंगांकन, आरेख तथा इसी प्रकार की वस्तुयाँ समीक्षित हैं) तथा उनकी घट्य कला वस्तुयाँ।

[सं. 20/19/78-प्रा.]

आस कृष्ण थापर, महानिदेशक  
भारतीय पुस्तकालय सर्वेक्षण और पर्यावरण संशोधन संचिक

#### ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

(Department of Culture)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th August, 1979

**G.S.R. 477(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (i) of section 2 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 (52 of 1972), the Central Government hereby declares the following human works of art, not being antiquities, to be art treasures' for the purposes of the said Act having regard to their artistic and aesthetic value, namely :—

Paintings (including drawing, sketches, diagrams and the like) and objects of plastic art by

1. Ravi Verma ;
2. Gaganendra Nath Tagore ;
3. Abanindra Nath Tagore ;
4. Sailoz Mookerjee ;
5. N. Roerich.

[No. 20/19/78-Ant.]

B. K. THAPAR, Director General,  
Archaeological Survey of India  
and Ex-officio Joint Secretary.